**वाख (ललद्यद)**

1. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**  
   थल-थल में बसता है शिव ही,  
   भेद ने कर क्या हिंदू-मुसलमां।  
   ज्ञानी है तो स्वयं को जान,  
   वही है साहिब से पहचान।
   1. कवयित्री ने उपर्युक्त काव्यांश में **शिव** किसे कहा है? उनका वास कहाँ बताया गया है?
   2. कवयित्री ने काव्यांश के माध्यम से क्या संदेश दिया है?
   3. स्वयं को जानने से ईश्वर को कैसे पहचाना जा सकता है?
2. कवयित्री ललद्यद ने ईश्वर का निवास कहाँ बताया है?
3. कवयित्री ललद्यद किसे साहब मानती है? वह साहब को पहचानने का क्या उपाय बताती है?
4. वाख में रस्सी किसके लिए प्रयुक्त हुआ है और वह कैसी है?
5. वाख कविता के आधार में भाव स्पष्ट कीजिए- जेब टटोली कौड़ी न पाई।